राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं
अनुसंधान संस्थान, भोपाल

सम्पर्क सरिता

वर्ष–14, अंक–05, सितम्बर–अक्टूबर 2013

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवाचार की मांग : प्रो. ए.के. रे

21वीं सदी ऑटोमेशन के क्षेत्र में रिसर्च के लिये महत्वपूर्ण होगी। आज मेडिकल क्षेत्र में सेन्सर्स विकसित करना एक चुनौती है। आज मानव शरीर के लिए आर्टीफीशियल ऑर्गन्स माइक्रो लेबल पर विकसित करना समय की मांग भी है। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में युवा वैज्ञानिकों के लिए यह एक स्वर्णिम अवसर है। मशीन व हयूमन्स के बीच इंटरफेस जरूरी है। यह विचार प्रो. ए.के. रे, कुलपति, बंगाल इंजीनियरिंग एण्ड साइंस यूनिवर्सिटी ने निटर, भोपाल में 16 सितम्बर 2013 को मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा "डैव्लेपमैन्टस इन रोबोटिक्स, एप्लाईड मैकाट्रानिक्स,

संगोष्ठी का उद्घाटन करते प्रो. अमिताभ घोष

मेन्यूफेक्चरिंग एण्ड ऑटोमेशन–2013" (Developments in Robotics, Applied Mechatronics, Manufacturing & Automation - 2013) विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. अमिताभ घोष, अध्यक्ष संचालक मंडल, निटर, भोपाल एवं पूर्व निदेशक आईआईटी, खड़गपुर ने कहा कि शिक्षकों को नई टेक्नॉलोजी एवं रिसर्च प्राब्लम्स का ज्ञान होना जरूरी है। मैं आशा करता हूँ कि इस सेमिनार के बाद हमारे इंजीनियर्स इस दिशा में कार्य करेंगें। प्रो. बरखार्ड जे. कर्वे, निदेशक टेक्निकल यूनिवर्सिटी, जर्मनी ने विशेष अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि भारत आना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। उन्होंने युवा इंजीनियर्स को जर्मनी में रिसर्च के लिए उपलब्ध अवसरों से परिचित कराते हुए कहा कि

सम्बोधित करते प्रो. ए.के. रे

भारत और जर्मनी इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण शोध कार्य कर सकते हैं। निटर, भोपाल के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने स्वागत भाषण देते हुए कहा की इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नई–नई चुनौतियां आ रही हैं। रोबोटिक्स और ऑटोमेशन के क्षेत्र में कास्ट इफैक्टिव सिस्टम्स विकसित करना समय की मांग है। संगोष्ठी के समन्वयक प्रो. शरद प्रधान ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुये कहा कि रोबोटिक्स, मैकाट्रानिक्स, मेन्यूफेक्चरिंग एवं ऑटोमेशन, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के चार पिलर हैं। उद्घाटन अवसर पर संगोष्ठी की स्मारिका एवं निटर, भोपाल की राजभाषा पत्रिका "सम्पर्क सरिता" का भी विमोचन किया गया। आभार प्रदर्शन प्रो. के.के. जैन एवं संचालन प्रो. सूसन एस मैथ्यू ने किया।

संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन करते प्रो. ए.के. रे

इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं के बीच हो समन्वय : प्रो. पी.बी. शर्मा

कल की दुनिया इंजीनियरिंग की नई बुनियाद पर होगी। आने वाले समय में रोबोटिक्स, मैकाट्रानिक्स, मेन्यूफेक्चरिंग, एवं ऑटोमेशन के क्षेत्र में इंटेलीजेन्ट सिस्टम्स एवं न्यू मटेरियल्स की आवश्यकता होगी। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कई चुनौतियां हमारे सामने हैं। इंजीनियरिंग की सभी ब्रांच के बीच इंटीग्रेशन होना चाहिए। इंजीनियरिंग का प्रयोग आम आदमी की समस्याओं को दूर करने में होना चाहिए। यह विचार मुख्य अतिथि प्रो. पी.बी. शर्मा, कुलपति दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए व्यक्त किये। विशिष्ठ अतिथि प्रो. पीयूष त्रिवेदी, कुलपति, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल ने कहा कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था मेन्यूफेक्चरिंग सेक्टर से जुड़ी होती है। समय के साथ–साथ मेन्यूफेक्चरिंग, मेडिकल, रोबोटिक सर्जरी, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शोध कार्य हुए हैं। इंजीनियरिंग एवं विज्ञान के क्षेत्र में अन्तर्विषयी शोधकार्य होना चाहिए। इंजीनियरिंग के विकास के लिए मूल विज्ञान पर फोकस जरूरी है। इनोवेशन के बिना हम विकास नहीं कर सकते। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. अमिताभ घोष ने कहा कि इस संगोष्ठी में उच्च गुणवत्ता के शोधपत्र प्रस्तुत हुए हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की इस संगोष्ठी के महत्वपूर्ण परिणामों को करीकुलम, शिक्षण, प्रशिक्षण में स्थान मिलेगा। निटर, भोपाल के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने कहा कि हम सभी किसी न किसी रूप में समाज की सेवा से जुड़े हुए हैं। मैं आशा करता हूँ कि सभी युवा वैज्ञानिकों को इस संगोष्ठी से नई दिशा मिलेगी। संगोष्ठी में देश, विदेश के विशेषज्ञों ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विभिन्न

पहलुओं पर चर्चा की। देश के प्रसिद्ध उद्योगों के प्रतिनिधियों ने अपने व्याख्यानों के साथ–साथ अपने उत्पादों का भी प्रदर्शन किया। संगोष्ठी के प्रमुख वक्ताओं में प्रो. जी.के. अनंथासुरेश, आईआईएससी, बैंगलोर, प्रो. एस.के. साहा, आईआईटी, दिल्ली, प्रो. सुभाशीष भौमिक, बीईएसयू, शिबपुर, प्रो. सी.एस. कुमार, आईआईटी, खड़गपुर, डॉ. एस.एन. सोम, एवं डॉ. नागहनुमैया, सीएमईआरआई, दुर्गापुर, डॉ. एम. सान्थाकुमार, आईआईटी इंदौर, डॉ. आई.ए. पलानी, आईआईटी, इंदौर, डॉ. भारतेन्दु सेठ, आईआईटी, मुम्बई, प्रो. एस.एन. डागा, बीआईएसटी, भोपाल आदि शामिल थे। संगोष्ठी के समन्वयक प्रो. शरद प्रधान ने संगोष्ठी की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रो. आर.पी. खम्बायत ने कार्यक्रम का संचालन किया। प्रो. अजय सराठे ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो. बरखार्ड जे. कर्वे, निदेशक, टेक्निकल यूनिवर्सिटी, जर्मनी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

व्याख्यान देते विशेषज्ञ

भारतीय विश्वविद्यालय संघ का राष्ट्रीय एकता शिविर संपन्न

समाज में अपनी भूमिका चिन्हित करें युवा : श्री रामनरेश यादव

युवाओं का देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। इस देश में जब–जब बलिदान की आवश्यकता पड़ी है युवाओं ने शहादत दी है। युवा चरित्रवान बनें, समाज में हो रहे परिवर्तन को समझें एवं समाज में अपनी भूमिका चिन्हित करें। युवा विवेकानन्द एवं अन्य महापुरूषों को पढ़ें लेकिन महात्मा गांधी को न भूलें। उक्त विचार मध्य प्रदेश के राज्यपाल श्री रामनरेश यादव ने एनआईटीटीटीआर, भोपाल में 12 सितंबर 2013 को आयोजित दो दिवसीय अन्तर विश्वविद्यालयीन राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किये। श्री यादव ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप लक्ष्य निर्धारित करें, कड़ी मेहनत करें, कभी हिम्मत न हारें एवं विकास की अंधी दौड़ में अपनी संस्कृति को न भूलें। साथियों आज जब मैं आप सभी युवाओं को संबोधित कर रहा हूँ तो मुझे स्वामी विवेकानन्द की याद आ रही है वे एक महान आध्यात्मिक पुरूष तो थे ही, युवाओं के सबसे बड़े हितैषी भी थे। उन्होंने कहा था कि हे युवाओं, उठो ! जागो! लक्ष्य प्राप्ति तक रुको नहीं। पीछे मत देखो, आगे देखो, अनंत ऊर्जा, अनंत उत्साह, अनंत साहस और अनंत धैर्य के साथ ही महान कार्य किये जा सकते हैं। आज मैं तुम्हें भी अपने जीवन का मूल मंत्र बताता हूँ, वह यह कि प्रयत्न करते रहो, जब तुम्हें अपने चारों ओर अन्धकार ही अन्धकार दिखता हो, तब भी प्रयत्न करते रहो ! किसी भी परिस्थिति में तुम हारो मत, बस प्रयत्न करते रहो। तुम्हें तुम्हारा लक्ष्य जरूर मिलेगा, इसमें जरा भी संदेह नहीं। मुझे ज्ञात हुआ है कि भारत सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम पर भी आप इस शिविर में चर्चा करने जा रहे हैं। आने वाले समय में लाखों लोगों को रोज़गार उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती है और इसीलिए भारत सरकार ने वर्ष 2020 तक लगभग 50 लाख युवाओं को

दीप प्रज्वलन करते श्री रामनरेश यादव राज्यपाल, मध्य प्रदेश

सम्बोधित करते श्री रामनरेश यादव राज्यपाल, मध्य प्रदेश

रोज़गार के लिए प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा नेशनल वोकेशनल क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क भी बनाया गया है। साथ ही कक्षा 9 से 12 तक कौशल विकास के पाठ्यक्रम भी चलाये जा रहे हैं। यह संस्थान इस दिशा में बहुत कुछ कर रहा है। आने वाले समय में भारत विश्व का ऐसा देश होगा जहां युवाओं की जनसंख्या सबसे ज्यादा होगी। अतः हमें इसका लाभ उठाना चाहिए। कौशल विकास के कार्यक्रमों में भागीदारी कर बेरोज़गारी को समाप्त करना और जीवन स्तर में सुधार दो बड़े लक्ष्य हैं। पर्यावरण को बचाते हुए हमें अपने पाठ्यक्रमों में ऐसा बदलाव लाना चाहिए जिससे युवाओं को नई तकनीक का ज्ञान और उद्योगों को बेहतर मानव संसाधन मिल सकें।

पूरे विश्व में हमारी मांग बढ़ी है। अमेरिका जैसे देश अपने देश में हिन्दी भाषा के अध्ययन की बात कर रहे हैं। उन्हें भारत में अपार सम्भावनाएं दिख रही हैं। हमें समय के इस चक्र को पहचान कर खुद को इस योग्य बनाना है ताकि हम दूसरों के लिए आदर्श बन सकें। निटर, भोपाल के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आये युवाओं का स्वागत करते हुए कहा कि आज देश की सभी समस्याओं का कारण यह है कि हम आत्म केन्द्रित होते जा रहे हैं। देश के हृदय स्थल भोपाल में गंगा–जमुनी संस्कृति पूर्ण–प्रवाह के साथ प्रवाहमान है। संस्कृति को सौहार्द्र व सामंजस्य का पर्याय माना जाता है। अनेकता में एकता की हमारी संस्कृति ने सभी धर्मों को आत्मसात किया है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ के संयुक्त सचिव, श्री सैम्पसन डेविड ने युवा

उत्सव के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुये कहा कि यह एक बहुत बड़ा आयोजन है जिसमें 28 प्रतियोगिताओं के 2 लाख प्रतिभागियों में से विजयी होकर आये यह युवा दो दिनों तक देश की सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करेंगें। आईसेक्ट विश्वविद्यालय के चांसलर एवं कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि प्रो. संतोष चौबे ने कहा कि सिर्फ विज्ञान से आदमी पूर्ण नहीं बन सकता है। कला भी उतनी ही आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता का प्रश्न भारतीयता से जुड़ा हुआ है। पूरे विश्व में सबसे ज्यादा युवक भारत में हैं, लेकिन उनका कौशल विकास नहीं हो पाया है। उन्होंने युवाओं को "कहो, सहो, व बहो" का नारा देते हुए कहा कि उन्हें वैश्विक नागरिक बनना है। 13 सितंबर 2013 को राष्ट्रीय एकता शिविर "वसुदैव कुटुंबकम" के आव्हान के साथ सम्पन्न हुआ। समापन समारोह के अवसर पर विशिष्ठ अतिथि, वरिष्ठ पत्रकार श्री लज्जाशंकर हरदेनिया ने राष्ट्रीय एकता पर युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया के किसी भी देश में इतने धर्म नहीं हैं, हमारे यहां सभी धर्मो के लिये समान रूप से सम्मान है। यदि हम धर्मनिरपेक्ष नहीं

एकता शिविर के कलाकार निटर निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल के साथ

होते तो हमारे यहां प्रजातंत्र नहीं होता। उन्होंने भारतीय संविधान में दिये गये मूलभूत अधिकार और कर्तव्यों के बारे में विस्तृत रूप से बताया। महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर चर्चा करते हुए कहा कि हम भाग्यशाली हैं जो गांधी के इस देश में पैदा हुए हैं। उन्होंने महात्मा गांधी से प्रेरित तीन महत्वपूर्ण व्यक्तियों जिनमें पं. जवाहर लाल नेहरू, डॉ. नेल्सन मंडेला व मार्टिन लूथर किंग जूनियर के कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि इन सभी ने गांधी जी के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर सामाजिक उत्थान व समता के लिये महत्वपूर्ण कार्य किये हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि आप किसी भी कीमत पर गुणवत्ता से समझौता न करें। कौशल विकास पर आयोजित सेमिनार में बोलते हुए आईसेक्ट विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. व्ही.के. वर्मा ने कहा कि सुख, शांति और समृद्धि कौशल

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार

विकास से मिलती है। स्वतंत्रता पूर्व भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था क्योंकि उस समय हमारा कौशल विकास बहुत उन्नत था लेकिन लार्ड मेकाले ने ऐसी शिक्षा पद्धति दी जिससे हुनरमंद कारीगर कम होते चले गये। हमें आज इस दिशा में फिर से सोचना होगा जिससे युवाओं को कौशल विकास के साथ रोज़गार मिल सके। वर्तमान समय में कौशल विकास के लिए विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए। निटर, भोपाल के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने समापन अवसर पर कहा कि कौशल विकास भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। निटर, भोपाल कौशल विकास के क्षेत्र में 21 सेक्टर में से 4 सेक्टर में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक शिक्षा को व्यावसायिक शिक्षा के साथ इस प्रकार जोड़ा जाना चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा लोगों के लिये रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें। इस अवसर पर अमृतसर के गुरूनानक देव विश्वविद्यालय के अनादि मिश्रा का सूफी गायन एवं मुम्बई टीम के समूह नृत्य के साथ ही पूजा गायतुंडे ने सूफियाना कलाम व गालिब की गज़ल "दिले नादां तुझे हुआ क्या है" से समां बांध दिया। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. संजय अग्रवाल ने आभार प्रदर्शन व श्रीमती अनीता लाला ने कार्यक्रम का संचालन किया। समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित किये गये।

सूफी गायन प्रस्तुत करते कलाकार

राजभाषा के प्रसार में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

समाज स्वप्नहीन, विकल्पहीन, विचारहीन बनता जा रहा है : श्री अशोक वाजपेयी

हिन्दी राजभाषा है उसका सीमित दायरा है। भारतीय लोकतंत्र में बहुत सारे काम प्रतीकात्मक रूप में होते हैं। जिसमें राजभाषा हिन्दी के उत्थान से जुड़े कार्यक्रम शामिल हैं। हमने हिन्दी के नाम पर बड़े–बड़े पाखंड पाल रखे हैं। मध्यम वर्ग इस समय हिन्दी का सबसे बड़ा दुश्मन है। यह दुर्भाग्य है कि हिन्दी, हिन्दी अंचल में सिकुड़ रही है। आज हिन्दी, शिक्षा और ज्ञान की भाषा नहीं है। आज हिन्दी में बोलने वाले लोग हताशा, निराशा व पराजित होने का बोध अनुभव करते हैं। उक्त विचार श्री अशोक वाजपेयी, पूर्व वरिष्ठ आईएएस, एवं पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा ने निटर, भोपाल में 21 सितम्बर 2013 को "राजभाषा के प्रसार में संचार माध्यमों की भूमिका" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आज समाज भाषा को लेकर स्वप्नहीन, विकल्पहीन, विचारहीन बनता जा रहा है। आज बाज़ारवाद से प्रभावित हिन्दी अख़बारों की संख्या बहुत अधिक है लेकिन ऐसा लगता है कि अख़बारों ने हिन्दी भाषा को भ्रष्ट करने की जिम्मेदारी ले रखी है। अंग्रेज हिन्दी को इतना नहीं दबा पाये जितना उसे लोकतंत्र में दबाया गया है। हिन्दी भाषा राजनीति की प्राथमिकता पर नहीं है। हिन्दी के लिए आत्मचिंतन और आत्मालोचन की आवश्यकता है। राजभाषा के बारे में भ्रम है कि सरकारी कामकाज में कोई बड़ा बौद्धिक चिंतन होता है। भाषा के नाम पर समाज में धर्मान्धता फैलाई जा रही है। उससे सजग रहने की जरूरत है। हिन्दुत्व को सबसे ज्यादा खतरा कट्टर हिन्दुओं एवं इस्लाम को कट्टर मुस्लमानों से है। कार्यक्रम के विशेष अतिथि, श्री मनोज श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय मध्य प्रदेश शासन ने इस अवसर पर कहा कि आज जब हिन्दी की बात करते हैं तो कुछ लोग इसे पिछड़ापन समझते हैं। विश्व के प्रख्यात वैज्ञानिक लैटिन, न्यूटन, गैलीलियो ने अपने सिद्धांत अपनी भाषा में दिये थे। यदि भारत में वैज्ञानिक क्रांति लानी है तो हमें हिन्दी को अपनाना होगा। हिन्दी हमारे आत्म सम्मान की भाषा है। राजभाषा मानकीकरण चाहती है जबकि मीडिया अनौपचारिक भाषा का प्रयोग करता है। हमें आधुनिकता, धार्मिकता और वैज्ञानिकता को हिन्दी भाषा के साथ जोड़कर देखना होगा। इतिहास साक्षी है कि विभिन्न देशों ने अपनी पहचान अपनी भाषा से बनाई है। यदि हमारा मीडिया भाषा के प्रतिनिधि के रूप में उभरेगा तो हिन्दी का उत्थान होगा। आज नैट पर 83% सामग्री अंग्रेजी में है। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने कहा कि हमारा समाज मानवीय मूल्यों से कटता जा रहा है। इसकी जिम्मेदारी हमारी है। साहित्य जोड़ने का काम करता है। यदि हम साहित्य संपदा को निकट से देखें, पुस्तकों को पढ़ें तभी एक अच्छे इंसान बन सकते हैं। श्री रामचंद्र रथ ने कहा कि भाषाऐं मानवीयता का स्त्रोत एवं संचरण का माध्यम हैं। हिन्दी भाषा के

सम्बोधित करते श्री अशोक बाजपेयी

उपयोग के संदर्भ में आग्रह एवं दुराग्रह की जानकारी होना आवश्यक है। वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार श्री ललित सुरजन ने कहा कि हिन्दी राष्ट्र की समृद्ध एवं बड़ी भाषा है। अतः यह उसका उत्तरदायित्व है कि वह अन्य भाषाओं को अपने साथ लेकर चले एवं समन्वय बनाये। वरिष्ठ पत्रकार श्री लज्जाशंकर हरदेनिया ने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि हम संसद की एक भाषा नहीं बना पाये। हमें बहुत सारे बड़े–बड़े संस्थानों में अपनी बात अंग्रेजी में भेजनी पड़ती है। बच्चों की शिक्षा मातृभाषा में होना आवश्यक है। डॉ. शोभा चतुर्वेदी ने राजभाषा के वर्तमान स्वरूप पर अपना व्याख्यान दिया। इस अवसर पर डॉ. प्रभाकर सिंह ने मीडिया लिट्रेसी पर अपना व्याख्यान दिया। उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन प्रो. अस्मिता खजांची एवं आभार प्रदर्शन श्री एस.एस. अस्थाना ने किया। इस संगोष्ठी के प्रथम दिन तीन सत्रों में देश के जाने–माने साहित्यकार उपस्थित हुये एवं उन्होंने राजभाषा का वर्तमान स्वरूप और इसे प्रभावित करने वाले कारक, संचार माध्यमों का बढ़ता प्रभाव, संचार माध्यमों की सार्थकता और इसका राजभाषा पर प्रभाव विषयों पर चर्चा की।

दीप प्रज्वलन करते श्री मनोज श्रीवास्तव

हिन्दी को निशाना बनाकर भारतीयता का शिकार : श्री ओम भारती

निटर ने हिन्दी को बचाकर रखा है। हिन्दी दिवस व हिन्दी पखवाड़ा नहीं होता तो शायद भारत में हिन्दी नहीं बचती। आज हिन्दी सिर्फ़ सरकारी कार्यालयों के बोर्ड पर ही दिखती है। इस देश में हिन्दी कभी सम्मान से नहीं देखी गई। मजबूरी में आदमी हिन्दी के क्षेत्र में आता है। उक्त विचार राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय दिवस के प्रमुख वक्ता व वरिष्ठ साहित्यकार श्री ओम भारती ने व्यक्त किये। जब हम किसी बड़े शहर में जाते हैं और उसके बारे में नहीं जानते हैं तो हम भारतीय भाषा में लिखे बोर्ड के द्वारा ही समझ पाते हैं कि हम किस स्थान पर हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा हिन्दी को बहुत जोरदार तरीके से प्रचारित किया गया है। आज का बाज़ार पुराना बाज़ार नहीं है वह हमारे घरों तक पहुंच चुका है। हम अंग्रेज राज से मुक्त तो हो गये लेकिन अंग्रेजी के राज से ज्यादा गुलाम हैं। आज हिन्दी साहित्य के लिए हिन्दी अखबारों में भी जगह नहीं बची है। हिन्दी को निशाना बनाकर भारतीयता का शिकार किया जा रहा है। आज मीडिया केवल मीडियोकर हो गया है। प्रो. रमाकांत श्रीवास्तव ने कहा कि हमारी भाषाओं का क्षितिज बहुत विशाल है जो अंतर्रात्मा से भारतीय नहीं है वह वैश्विक नागरिक नहीं है। हम अंग्रेज़ी के विरोधी नहीं हैं हमारा विरोध अंग्रेजी के भाषाई साम्राज्यवाद से है। वरिष्ठ कथाकार श्री शशांक ने कहा कि हिन्दी के प्रति आंतरिक खुशी लानी होगी। हिन्दी के प्रसार में आकाशवाणी और दूरदर्शन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार श्री ललित सुरजन ने कहा कि समाचार पत्र एवं स्वस्थ जनतंत्र परस्पर पूरक हैं। स्वस्थ जनतंत्र में ही स्वस्थ समाचार पत्र अथवा पत्रकारिता संभव है। समाचार पत्र लोकशिक्षण का कार्य करता है। समाचार पत्र की अपनी भाषा है उस भाषा के माध्यम से ही बात की जानी चाहिए। जनता समाचार पत्रों पर बहुत विश्वास करती है। हिन्दी समाचार पत्रों का अपने पाठकों से रिश्ता कमजोर होता जा रहा है। हिन्दी के पत्रकारों ने हिन्दी के विकास को नये आयाम एवं नये शब्दों की धरोहर दी है। हिन्दी से नाता जोड़कर बच्चों को उनकी जड़ों से जोड़ा जा सकता है। जब तक हिन्दी आपके जीवन व्यापार की भाषा नहीं बन जाती तब तक अंग्रेजी भाषा आप पर राज करती रहेगी। 95% जनसंख्या हिन्दी के कारण ही रोज़गार पा रही है। वरिष्ठ पत्रकार श्री लज्जाशंकर हरदेनिया ने कहा कि आप अखबार से ही अच्छी भाषा की उम्मीद क्यों करते हैं। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने कहा कि जो काम हिन्दी के बड़े–बड़े विश्वविद्यालय नहीं कर पाये वह इस संस्थान ने अल्प संसाधनों में कर दिखाया है। हिन्दी के क्षेत्र में जो साहित्य आ रहा है या काम हो रहा है वह हिन्दी के शिक्षकों व हिन्दी के विभागों से न आकर इंजीनियरों व प्रशासनिक अधिकारियों व समाज के छोटे–छोटे हिस्सों से आ रहा है। जबकि हिन्दी के शिक्षक व विश्वविद्यालय आलोचकों की भूमिका निभा रहे हैं। बिना पढ़े साहित्य की निंदा एक अपराध है। प्रो. संजय अग्रवाल ने राजभाषा के प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया। समापन कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनीता लाला एवं आभार प्रदर्शन प्रो. जी.टी. लाला ने किया।

संचालक मण्डल की बैठक संपन्न

संस्थान के संचालक मण्डल की 126वी बैठक 19 सितंबर 2013 को सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में अध्यक्ष संचालक मण्डल प्रो. अमिताभ घोष, भारत सरकार के प्रतिनिधि श्री योगेन्द्र त्रिपाठी, प्रो. पीयूष त्रिवेदी, कुलपति, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, श्री विकास गदरे, प्रो. आर.बी. शिवगुण्डे एवं संचालक मंडल सदस्य सचिव प्रो. विजय अग्रवाल एवं प्रो. किरण सक्सेना उपस्थित थीं। बैठक में चिकित्सालयों की मान्यता, रायपुर के विस्तार केन्द्र हेतु भूमि, बी.टी.एस. पोल संस्थापन, विस्तार केन्द्र रायपुर में अलाइड हेल्थ में कौशल विकास कार्यक्रम, डिजिटल कम्यूनिकेशन में एम.टैक. कार्यक्रम, पीजीडीबीएम कार्यक्रम आदि के बारे में निर्णय लिये गये। संचालक मण्डल के सदस्यों ने गत वर्षो में संस्थान की प्रगति एवं चहुंमुखी विकास के लिए निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल की सराहना करते हुये बधाई प्रेषित की।

बैठक को सम्बोधित करते प्रो. अमिताभ घोष

मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री प्रवीण प्रकाश ने की समीक्षा

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री प्रवीण प्रकाश ने कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत 15 अक्टूबर को चारों एनआईटीटीटीआर, भोपाल, चंडीगढ़, चैन्नई तथा कोलकाता के निदेशकों के साथ बैठक की। बैठक में चारों निटर द्वारा आयोजित किये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। श्री प्रकाश ने चारों संस्थानों की वेबसाईट के साथ–साथ विदेशी विश्वविद्यालय में साथ समन्वय पर भी चर्चा की। बैठक में कई निर्णय लिये गये तथा चारों निटर को कई महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व दिये गये। निटर भोपाल को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राज्य सरकार एवं निटर के साथ किये जाने वाले एमओयू का ड्राफ्ट तैयार करने, निटर चंडीगढ़ को पॉलिटेक्निक हेतु वैब पोर्टल तैयार करने, निटर चैन्नई को कम्यूनिटी स्कीम हेतु मेनेजमेंट इन्फारमेशन सिस्टम (एमआईएस) तैयार करने का दायित्व दिया गया। बैठक में यह भी निर्णय किया गया कि चारों निटर एक दूसरे निटर की वेबसाईट की बैस्ट प्रेक्टिसेस को अमल में लायेंगे। सभी निटर पॉलिटेक्निक टीचर्स के लिये विभिन्न विषयों में डिजिटल लिर्टेसी प्रोजेक्ट तैयार करेंगे तथा निटर चैन्नई द्वारा इस प्रोजेक्ट का समन्वयन किया जावेगा।

श्री प्रवीण प्रकाश 1994 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने 1992 में आईआईटी कानपुर से बी.टेक. की डिग्री प्राप्त करने के बाद विभिन्न प्रशासनिक पदों को सुशोभित किया है। जिनमें सचिव एवं आयुक्त, आन्ध्रप्रदेश सरकार, महानिदेशक, सूचना–प्रौद्योगिकी एवं संचार, आंध्रप्रदेश टेक्नोलॉजिकल सर्विसेस, जिला कलेक्टर, विशाखापटनम्, गोदावरी एवं रंगारेड्डी एवं महानिदेशक, जिला वित्त एवं अधोसंरचना निगम, हैदराबाद प्रमुख रहे हैं।

निटर काउंसिल का गठन

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने देश के चारों एनआईटीटीटीआर, भोपाल, चंढ़ीगढ़, चैन्नई एवं कोलकाता की एक निटर काउंसिल गठित की है। इस काउंसिल के अध्यक्ष मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार, उपाध्यक्ष सचिव, उच्च शिक्षा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं ब्यूरो हेड (TEL) सदस्य सचिव होगें। पिछले दिनों इस आशय का निर्णय मंत्रालय द्वारा लिया गया।

इस काउंसिल में चारों निटर के अध्यक्ष, संचालक मण्डल व, निदेशक सदस्य होंगे। काउंसिल के अन्य सदस्यों में प्रो. के.के. अग्रवाल, पूर्व कुलपति, गुरू गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली व डॉ. स्वपन भट्टाचार्य, निदेशक, एनआईटी सूरतकल शामिल हैं। काउंसिल चारों निटर के बीच बेहतर समन्वय के साथ–साथ केन्द्र व राज्य सरकारों को नीति बनाने हेतु सुझाव, विकास परियोजनाएँ, पाठ्यचर्चा विकास, संस्थागत संसाधनों का विकास और उनसे जुड़े वित्तीय मुद्दों पर सलाह देने का कार्य करेगी।

रिसर्च इश्यूज़ इन साइंस एण्ड इंजीनियरिंग

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में आई. आई. टी. मुम्बई के प्रोफेसर डॉ डी.बी. फाटक ने 13 सितम्बर 2013 को "रिसर्च इश्यूज़ इन साइंस एण्ड इंजीनियरिंग" विषय पर व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान में मुख्यतः रिसर्च करने के लिए किस तरह से तैयारी की जाती है तथा उसके क्रियान्वयन विषय पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस व्याख्यान में प्रो. फाटक ने शोध के लिये शीर्षक का चयन, शोध विधियां, शोध पत्रों को पढ़ना और समझना एवं समाज के प्रति शोधकर्ता का दायित्व पर जानकारी दी।

इमैज़ प्रोसेसिंग विषय पर प्रो. रे का व्याख्यान

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग द्वारा बंगाल इंजीनियरिंग एण्ड साइंस यूनिवर्सिटी, शिबपुर के कुलपति प्रो. ए.के. रे का "इमैज़ प्रोसेसिंग" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान में कम्प्यूटर विभाग के संकाय सदस्य और एम.टैक. के विद्यार्थी उपस्थित थे। प्रो. रे ने इमैज़ प्रोसेसिंग के सिद्धांत, तकनीक एवं अनुप्रयोग को बहुत रोचक तरीके से प्रस्तुत किया।

अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में संकाय सदस्यों की सहभागिता

यूनेस्को– यूनिवाक द्वारा दक्षिण कोरिया में संगोष्ठी आयोजित

यूनेस्को यूनिवाक जर्मनी द्वारा 04 से 06 सितंबर 2013 तक सिओल, दक्षिण कोरिया में "एडवांसिंग टीवीईटी फॉर यूथ इम्प्लॉयविलिटी एण्ड सस्टेनेबल डेव्लेपमेंट" (Advancing TVET for Youth Employability & Sustainable Development) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। यह फोरम तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण द्वारा युवाओं को रोज़गार योग्य बनाने एवं कौशल विकास कार्यक्रमों पर महत्वपूर्ण विचार विमर्श हेतु प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है। इस सेमिनार में 22 देशों के 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यूनेस्को यूनिवाक प्रमुख प्रो. श्यामल मजूमदार ने इस संगोष्ठी हेतु निटर भोपाल के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल व

प्रो. आर.पी. खम्बायत को विशेष रूप से आमंत्रित किया था। इस संगोष्ठी में ग्रीनिंग टीवेट, यूथ एम्प्लायबिलिटी, स्किल डैव्लेपमेंट, एशिया पैसीफिक रीजन में यूनिवाक नेटवर्क विकसित करना आदि विषयों से संबंधित सत्रों में महत्वपूर्ण व्याख्यान हुआ। प्रो. विजय अग्रवाल ने एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता भी की।

वर्ल्ड कांग्रेस ऑन एजूकेशन लंदन में आयोजित

संस्थान के प्रो. एम.ए. रिज़वी एवं प्रो. के. जेम्स मथाई ने लंदन में आयोजित "वर्ल्ड कांग्रेस ऑन एजूकेशन" में "डिजाईन एण्ड इवेल्यूएट वैब बेस्ड कोर्सवेयर इन कोलेवरेटिव एनवायरमेंट" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। प्रो. रिज़वी ने इस सेमिनार में "ग्लोबल इश्यूज़ इन एजूकेशन एण्ड रिचर्स" विषय पर आयोजित एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता भी की।

प्रो. ऐलन रोचा कैलीफोर्निया सेमीनार में

संस्थान के विस्तार केन्द्र गोवा के समन्वयक प्रो. ऐलन रोचा ने सैन जोस कैलीफोर्निया यू.एस.ए. में 20 से 23 अक्टूबर तक आई ट्रिपल ई द्वारा आयोजित "ह्यूमेनिटेरियन टेक्नोलॉजी कान्फ्रेंस" में भाग लिया। प्रो. रोचा ने इस कान्फ्रेंस में "डैव्लपिंग इंजीनियरिंग प्रोग्राम्स स्पेशियेलाइजिंग इन रिन्यूएवल एनर्जी फार एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रियंका त्रिपाठी पेरिस सेमीनार में

संस्थान के कम्प्यूटर विभाग की सह–प्राध्यापक डॉ. प्रियंका त्रिपाठी ने पेरिस, फ्रांस में आयोजित "इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन कम्प्यूटर एण्ड बिजनेस मेनेजमेंट" में "फेशियल एक्सप्रेशन रिक्गनीशियन यूजिंग डेटा माईनिंग एल्गोरिथम" (आईसीसीवीएम–2013) विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया। प्रो. त्रिपाठी ने इस सेमिनार में एक सत्र की अध्यक्षता भी की।

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

प्रो. सौरभ पाल का व्याख्यान आयोजित

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा "प्रो. एस.एस.भटनागर व्याख्यान माला" के अंतर्गत् विस्तार केंद्र पुणे में 22 अक्टूबर 2013 को डॉ. सौरव पाल निदेशक, नेशनल केमिकल लेबोरेटरी का व्याख्यान आयोजित किया गया। प्रो. पाल ने "केमेस्ट्री इन फ्यूचर : नीड फॉर इंटीग्रेटिव एप्रोच" विषय पर व्याख्यान देते हुए जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में केमेस्ट्री की उपयोगिता पर प्रकाश डाला व केमेस्ट्री के इतिहास से जुड़े कई उदाहरण दिये। व्याख्यान के दौरान डॉ. पाल ने विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा किये गये शोध एवं केमेस्ट्री के विकास में उनके योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि केमेस्ट्री में प्रतिपादित विभिन्न सिद्धांत वर्तमान समय में हो रहे परिवर्तनों के बीच भी प्रासंगिक हैं। वर्तमान समय में उपयोग किये जा रहे आधुनिक उपकरणों जैसे सेंसर्स से लेकर सीमेंट तक सभी कुछ केमेस्ट्री से संबद्ध हैं तथा बिना केमेस्ट्री के महत्व को बताते हुए कहा कि फिजिक्स व मैथ्स को इंजीनियरिंग विकास में महत्वपूर्ण माना गया है, किंतु बिना केमेस्ट्री इंजीनियरिंग का उपयोग नहीं किया जा सकता। सभी धातु, सीमेंट व अन्य पदार्थ कैमिकल हैं तथा उनके भौतिक व रासायनिक गुणों के आधार पर ही उनका उपयोग उच्च तकनीक के विकास एवं उपकरणों के निर्माण में संभव है। हम कह सकते हैं कि एकीकृत विज्ञान ही सबकुछ है। विज्ञान इंजीनियरिंग का मूल है। हमें रसायन अथवा विज्ञान का कोई भी विषय पढ़ते हुए गर्व होना चाहिये तभी हम विज्ञान के सही विद्यार्थी हो सकते हैं। इस व्याख्यान माला को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अभिलाष ठाकुर थे। कार्यक्रम में प्रो. एस.के. सक्सेना, प्रो. व्ही.डी. पाटिल, प्रो. के.एम. रस्तोगी, प्रो. एम.सी. पालीवाल व डॉ. बशीर उल्ला शेख उपस्थित थे।

प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते प्रो. सौरभ पाल

एन.एम.आर. पर प्रो. गिरजेश गोविल के व्याख्यानों की रिकॉर्डिंग

देश के प्रख्यात वैज्ञानिक एवं टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च मुंबई के इंसा गोल्डन जुबली प्रोफेसर प्रो. गिरजेश गोविल के न्यूक्लियर मेग्नेटिक रेजोनेन्स (Nuclear Magnetic Resonance) विषय पर 10 वीडियो लेक्चर रिकार्ड किये गये। प्रो. गिरजेश गोविल ने अपने व्याख्यानों में एनएमआर टेक्निक का रसायन, रासायनिक उद्योग, मेडीसिन, बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री में उपयोग पर विस्तृत व्याख्यान दिये। प्रो. गिरजेश गोविल के ये व्याख्यान विश्वविद्यालयों के एम. एससी. पाठ्यक्रम तथा औषधीय रसायन के क्षेत्र में विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिये लाभप्रद होगें।

आपरेशन रिसर्च पर प्रशिक्षण

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा 02–06 सितंबर 2013 तक "ऑपरेशन रिसर्च एण्ड इट्स एप्लीकेशन" विषय पर एक सप्ताह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को आपरेशन रिसर्च के विभिन्न अनुप्रयोगों जैसे सीनियर प्रोग्रामिंग, रिप्लेसमेन्ट पालिसी, एसाइनमेंट प्राब्लम, ट्रांसपोर्टेशन प्राब्लम्स, सीक्वेंसिंग प्राबलम्स् एवं उनके उद्योगों में विभिन्न अनुप्रयोगों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही उनको लिंगो सॉफ्टवेयर से सम्बन्धित जानकारी भी दी गई। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. दीपक सिंह थे।

ग्रीन एवं अल्टरनेटिव फ्यूल्स पर प्रशिक्षण

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा 02 से 06 सितंबर तक "ग्रीन फ्यूल्स" एवं 02 से 13 सितंबर 2013 तक "अल्टरनेटिव फ्यूल्स" विषय पर दो कार्यक्रम आयोजित किये गये। इन कार्यक्रमों में प्रशिक्षणार्थियों को बायोफ्यूल, बायोडीजल, सीएनजी, एलपीजी, हाइड्रोजन फ्यूल, सोलर, न्यूक्लियर एवं विंड एनर्जी, हाईब्रिड एनर्जी सिस्टम, पर्यावरण नीति, आदि पर प्रशिक्षण के साथ–साथ केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, ब्लाज्म बायोटेक जैसी महत्वपूर्ण प्रयोगशालाओं में भी भ्रमण कराया गया। इन कार्यक्रमों के समन्वयक प्रो. पी.के. पुरोहित एवं प्रो. अभिलाष ठाकुर थे। डॉ. बशीरउल्ला शेख एवं डॉ. इज़हार अहमद ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।

इनोवेटिव टेक्नीक्स ऑफ टीचिंग मैथेमेटिक्स एण्ड साइंस पर कार्यक्रम

संस्थान के विस्तार केन्द्र पुणे में 07–11 अक्टूबर 2013 तक "इनोवेटिव टेक्नीक्स ऑफ टीचिंग मैथेमेटिक्स एण्ड साइंस" विषय पर एक सप्ताह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को मेथेमेटिक्स एवं साइंस को रोचक तरीके से पढ़ाने की विभिन्न विधियों को विस्तार पूर्वक समझाया गया। कार्यक्रम में गणित एवं उसके दैनिक जीवन में अनुप्रयोगों आदि की भी जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालय के 17 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दीपक सिंह थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. पी.के. पुरोहित ने योगदान दिया।

नेनोटेक्नोलॉजी एवं नेनोमेटीरियल फॉर फॉर्मेसी

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा 21 से 25 अक्टूबर 2013 तक संस्थान के विस्तार केन्द्र पुणे पर "नेनोटेक्नोलॉजी एवं नेनोमेटीरियल फॉर फॉर्मेसी विषय" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को फॉर्मेसी में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न नेनो मेटीरियल के फॉर्मेसी में प्रयोग पर चर्चा की गई। नेनो मेटीरियल के विभिन्न गुणों के आकलन एवं नवीन मेटीरियल के डिज़ाइन में प्रयुक्त होने वाले कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर का प्रायोगिक अनुभव भी प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अभिलाष ठाकुर थे। डॉ. बशीरउल्ला शेख ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।

अच्छे प्रश्नपत्रों का निर्माण

संस्थान के व्यावसायिक शिक्षा और उद्यमिता विकास विभाग द्वारा 23 से 27 सितंबर 2013 तक "अच्छे प्रश्न पत्रों का निर्माण" विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग संस्थान एवं विश्वविद्यालय के परीक्षा से संबंधित 26 संकाय सदस्यों ने सहभागिता की। कार्यशाला के दौरान परीक्षा से संबंधित विभिन्न तकनीकी पहलुओं, वर्तमान में प्रयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रश्नपत्रों की संरचना एवं भविष्य में आवश्यक सुधारों पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यशाला के अंत में एक सुझाव पत्र भी तैयार किया गया। इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ. अनिल कुमार थे। प्रो. अंजु रौले ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।

महाराष्ट्र राज्य के नये पॉलिटेक्निक का निरीक्षण

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा महाराष्ट्र राज्य में नये पॉलिटेक्निक की स्थापना हेतु 2009 में अनुदान दिया गया था। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुदान से हिंगोली एवं मुर्तजापुर में दो नये पॉलिटेक्निक की स्थापना वर्ष 2009 में भी गई थी। निटर भोपाल के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल द्वारा इन संस्थानों के निरीक्षण हेतु तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया था। जिसमें प्रो. ए.के. जैन, समन्वयक प्रो. पराग दुबे, सचिव एवं प्रो. पी.के. पुरोहित शामिल थे। इस समिति ने हिंगोली एवं मुर्तजापुर पॉलिटेक्निक का भ्रमण कर वहां के नवनिर्मित भवन, छात्रावास, प्रयोगशालाएं, संचालित पाठ्यक्रम, कार्यकेन्द्र, संकाय सदस्यों की नियुक्तियां आदि से संबंधित समस्त दस्तावेजों का भौतिक निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल के माध्यम से मंत्रालय को प्रेषित की है। मुर्तजापुर पॉलिटेक्निक के प्राचार्य प्रो. आर.एस. थुटे एवं हिंगोली पॉलिटेक्निक के प्राचार्य प्रो. पी.डी. पोपले एवं संकाय सदस्यों ने अपने–अपने संस्थान एवं विभागों से संबंधित प्रजेंटेशन दिया। संबंधित संस्थानों के प्राचार्यों ने निर्धारित प्रारूप में समस्त जानकारी उपलब्ध कराई।

जीवन प्रबंधन पर व्याख्यान

प्रो. बी.एल. गुप्ता ने आयकर विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 04 सितंबर 2013 को "जीवन प्रबंधन" विषय पर व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में बदलते परिवेश एवं उद्योगो की मांग के अनुसार शिक्षा में बदलाव लाने की रणनीति पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में जीवन के दूरगामी एवं अल्प अवधि के लक्ष्यों को निर्धारित करने, अपनी व्यक्तिगत प्रतिभा को पहचानने, स्वप्रेरणा एवं जीवन प्रबंधन के अन्य नकारात्मक कारक जैसे तनाव रोकने एवं जीवन को संतुष्टी एवं आनन्द पूर्वक जीने के उपाय उदाहरणों के माध्यम से बताये गए। इस कार्यक्रम में 17 अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. बी.एल. गुप्ता थे।

एन.बी.ए. एक्रीडिटेशन पर कार्यशाला

प्रो. बी.एल. गुप्ता ने भारतीय विद्यापीठ पुणे में 23 से 25 सितम्बर 2013 तक "एन.बी.ए. एक्रीडिटेशन 2013" विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला में इंजीनियरिंग कालेजों के 30 प्राचार्यों के साथ डीन भी उपस्थित थे। प्रो. बी.एल. गुप्ता ने एन.बी.ए. एक्रीडिटेशन 2013 के प्रावधानों पर प्रकाश डाला एवं उनके प्रश्नों का उत्तर भी दिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. प्रकाश भालेराव, प्राचार्य कालेज आफ इंजीनियरिंग भारतीय विद्यापीठ पुणे ने किया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. रमाकांत खेरे थे।

रायपुर में कार्यशाला आयोजित

दिनांक 22 अक्टूबर 2013 को विस्तार केन्द्र रायपुर में एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्देश्य मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा पॉलिटेक्निक के उन्नयन हेतु मिलने वाले अनुदान के लिए प्रस्ताव तैयार करवाना था। इस कार्यशाला में छत्तीसगढ़ राज्य के 12 पॉलिटेक्निक के प्राचार्य एवं वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. ए.के. जैन थे। इस अवसर पर विस्तार केन्द्र के समन्वयक प्रो. यू.के. जैन भी उपस्थित थे।

प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते प्रो. ए.के. जैन

गतिविधियां
चित्रमय झांकी

विद्यार्थियों के लिए ओरियेंटेशन कार्यक्रम

एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा एम.ई./एम.टैक एवं एम. बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्रों हेतु 02 सितंबर 2013 को एक ओरियेंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने की। प्रो. अग्रवाल ने संस्थान में नये प्रवेशित छात्रों को विभिन्न विभागों में उपलब्ध संसाधनों की विस्तृत जानकारी दी तथा सभी विद्यार्थियों को अपना जीवन उज्जवल बनाने हेतु आव्हान किया। उन्होंने कहा कि हमारे संस्थान में आप अपने कोर्स के साथ–साथ व्यक्तित्व विकास की प्रक्रिया से भी गुजरगें। इस अवसर पर संस्थान के सभी विभागाध्यक्षों ने अपने–अपने विभाग के संकाय सदस्यों का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. राजेश्वरी शिवगुन्डे ने किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. के.के. जैन एवं प्रो. संजय अग्रवाल भी उपस्थित थे।

तनाव प्रबंधन पर कार्यक्रम

विस्तार केन्द्र पुणे में 07 से 11 अक्टूबर 2013 तक "तनाव प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में सेल्फ मैनेजमेन्ट, इमोशनल मैनेजमेन्ट, जीवन के व्यवहार, निबंधन तथा स्वास्थ्य प्रबंधन के व्यावहारिक उपाय विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। अभ्यास के दौरान विभिन्न क्रियाओं जैसे श्वास, प्रश्वास, प्राणायाम, ध्यान, स्वप्रेषण, शिथिलता, रचनात्मकता व ध्यान आधारित विभिन्न गतिविधि कराई गई। प्रशिक्षणार्थियों ने पूरे कार्यक्रम को जीवनोपयोगी और जीवन क्रम में सकारात्मक परिवर्तन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग महाविद्यालयों तथा संचालनालय से 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ. पीयूष वर्मा थे।

शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, जगदलपुर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

टेक्यूप–2 के तहत शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, जगदलपुर में विस्तार केन्द्र छत्तीसगढ़ के माध्यम से तीन कार्यक्रम क्रमशः "भावनात्मक बुद्धि एवं स्व–प्रबंधन" संकाय सदस्यों के लिए "भंडार एवं क्रय प्रबंधन" तकनीकी व गैर तकनीकी स्टाफ के लिए तथा "साक्षात्कार की तैयारी कैसे करें" विद्यार्थियों के लिए सितंबर–अक्टूबर 2013 में आयोजित किये गये। इन कार्यक्रमों में 23 संकाय सदस्यों, 21 कर्मचारियों तथा 279 छात्रों ने भाग लिया। संकाय सदस्यों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने इस तरह के कार्यक्रम निरंतर किये जाने का प्रस्ताव दिया। कार्यक्रम के समापन समारोह में बोलते हुए प्राचार्य डॉ. जी.पी. खरे ने कहा कि ये कार्यक्रम संस्थान के लिए मील के पत्थर का काम करेंगें। संस्थान की ओर से प्रो. पीयूष वर्मा, प्रो. यू.के. जैन तथा प्रो. अजय सराठे ने कार्यक्रमों का कार्यान्वयन किया।

500 अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे निटर : प्रो. फाटक

आईआईटी मुंबई के वरिष्ठ प्राध्यापक तथा पूरे देश मे सूचना संचार प्रौद्यागिकी के उपयोग के लिए प्रसिद्ध प्रो. डी.बी. फाटक ने निटर, भोपाल में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर कहा कि शिक्षा जगत से नैतिकता का विलुप्त होते जाना भयंकर त्रासद स्थिति को जन्म दे रहा है। हमें अपनी

प्रो. फाटक को स्मृति चिन्ह प्रदान करते प्रो. विजय अग्रवाल

गुणवत्ता में सुधार करना है तो नैतिक मूल्यों की स्थापना के बिना यह संभव नहीं। उन्होंने कहा कि अच्छी तालीम देने के लिए शिक्षकों को विषय का समग्र ज्ञान तो होना ही चाहिए लेकिन नई तकनीक से उसे अधिक संप्रेषणीय बनाया जाना जरूरी है उन्होंने पूरे विश्व में विशाल मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम पद्धति के प्रभावी होने का जिक्र किया तथा कहा कि भविष्य में इसकी बड़ी आवश्कता पड़ने वाली है।

अतः हमें इस दिशा में अभी से तैयारी करनी होगी। उन्होंने बताया कि जनवरी से जून के बीच पूरे देश के 500 अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के शिक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए एक साथ ए–व्यू से जोड़ा जाएगा। इसके लिए "निटर" की महत्वपूर्ण भूमिका निर्धारित की गई है। निटर, भोपाल में 13 से 15 सितंबर 2013 को आई आई टी मुंबई द्वारा 'टीचर ट्रेनिंग हब की स्थापना" विषय पर कार्यशाला आयोजित भी की गई। इस कार्यशाला में निटर चैन्नई, कोलकाता, चंडीगढ़, भोपाल तथा अन्य संस्थाओं के 43 संकायगण तथा टेक्निकल स्टाफ ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यशाला में आईआईटी, मुंबई के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. डी.बी. फाटक, प्रो. यू.एन. गायतोंडे, डॉ. मुक्ता अत्रे, प्रो. समीर सहस्त्रबुद्धे द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला में भारत वर्ष के अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण देने हेतु हब स्थापना की प्रक्रिया, इस प्रणाली का उपयोग, प्रणाली संबंधित समस्याओं का निराकरण विषयों पर चर्चा हुई। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत निटर भोपाल में अक्टूबर 2013 के अंत तक तथा निटर चेन्नई, कोलकता, चंडीगढ़ में दिसम्बर 2013 के अंत तक टीचर ट्रेनिंग हब की स्थापना कर इसके द्वारा 500 अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण का कार्य शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि इस संस्थान ने नैतिक मूल्यों की स्थापना को केन्द्र में रख कर अनेक आयोजन किए हैं तथा संस्थान ने दो वर्षो से प्रशिक्षण की नई तकनीक को अपनाया है। इस प्रक्रिया से लगभग 4000 अभियांत्रिकी तथा पॉलिटेक्निक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इस कार्यशाला के समन्वयक प्रो. संजय अग्रवाल थे।

डायनामिक वैब पेज डिज़ाइन

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग द्वारा 16 से 20 सितम्बर 2013 तक "डायनामिक वैब पेज डिज़ाइन" विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग कालेज एवं सेना के 26 प्रशिक्षणाथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में PHP और MySQL का उपयोग कर डायनामिक वैब पेज डिजाइन करने का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. प्रियंका त्रिपाठी थीं। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. आर.के. कपूर ने सहयोग प्रदान किया।

जावा प्रोग्रामिंग पर प्रशिक्षण

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग द्वारा 23 से 27 सितम्बर 2013 तक "जावा प्रोग्रामिंग" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग एवं सेना के लगभग 18 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नई वैब साइट को डिजाइन करना था। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. शैलेन्द्र सिंह थे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के शिक्षकों हेतु प्रशिक्षण

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग द्वारा 19 से 23 अगस्त 2013, 26 से 30 अगस्त 2013, एवं 2 से 6 सितम्बर 2013 तक "ट्रेनिंग ऑफ टीचर्स ऑन डिजिटल लिट्रेसी" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किये गये। राज्य शिक्षा केन्द्र, म.प्र. के अनुरोध पर एनआईटीटीटीआर, भोपाल ने माह अगस्त–सितम्बर 2013 में 3 कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत कम्प्यूटर के मूलभूत सिद्वांत, उसका प्रचालन, आपरेटिंग सिस्टम, वर्ड प्रोसेसिंग, डीटीपी, टेक्सट् फार्मिंग आदि पर प्रशिक्षण दिया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में लगभग 80 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य शिक्षा केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले विभिन्न संस्थान के शिक्षक प्रशिक्षकों की क्षमता संवर्धन था। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों ने संगणक प्रशिक्षण, डिजीटल शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण, आंकडे विश्लेषण आदि पर भी प्रशिक्षण

दिये जाने की आवश्यकता अनुभव की। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. संजय अग्रवाल थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. डी.एस. करौलिया, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ.के. जेम्स मथाई, डॉ. आर. के. कपूर, डॉ. एम. ए. रिजवी एवं डॉ. प्रियंका त्रिपाठी आदि ने सहयोग प्रदान किया।

शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

इंडक्शन फेस – 1 कार्यक्रम आयोजित

एनआईटीटीटीआर, भोपाल के विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में "इंडक्शन प्रोग्राम फेस–1" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को पाठ्यचर्या बनाने की प्रक्रिया, उनका विकास, प्रभावशाली समय प्रबंधन, तकनीकी शिक्षकों की भूमिकाएं और उनकी जिम्मेदारी एवं कक्षा प्रशिक्षण के लिए सशक्त बिन्दु तैयार करना आदि पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका, केस पढ़ने की प्रक्रिया एवं किसी भी तकनीकी विषय से संबंधित केस तैयार करना एवं उसका प्रस्तुतिकरण, व्यक्तित्व विकास, कृत्रिम शिक्षा अभ्यास, प्रयोगशाला में विभिन्न प्रयोगों की प्रक्रिया को समझना और उनका मूल्यांकन करना, प्रयोगशाला में अभिनव प्रयोगों की योजना बनाना और उनको निष्पादित करना आदि प्रमुख विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. एस.के. सक्सेना थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. अजीत दीक्षित, प्रो. एस.आर. गनोरकर, डॉ.के. जेम्स मथाई ने सहयोग दिया।

इंण्डक्शन फेस–2 कार्यक्रम आयोजित

प्रो. व्ही.एच. राधाकृष्णन के साथ कार्यक्रम के प्रशिक्षणार्थी

विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 02 से 14 सितंबर 2013 को "इंण्डक्शन फेस–2" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को पाठ्यचर्या बनाने की प्रक्रिया, आधुनिक शिक्षण तकनीक, कक्षा प्रशिक्षण के लिए सशक्त बिन्दु तैयार करना था। कार्यक्रम के प्रथम सप्ताह में प्रशिक्षाणार्थियों को केस पढ़ने की प्रक्रिया एवं किसी भी तकनीकी विषय से संबंधित केस, पाठ्यचर्या के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका, केस प्रस्तुतिकरण जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। द्वितीय सप्ताह में प्रयोगशाला में विभिन्न प्रयोगों की प्रक्रिया को समझना और उनका मूल्यांकन करना और निष्पादित करना तथा छात्रों के निरीक्षण और प्रशिक्षण की व्यवस्था की योजना तैयार करने पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. एस.के. सक्सेना एवं डॉ. व्ही.एच.राधाकृष्णन थे।

रिसर्च मेथड्स फॉर इंजीनियरिंग एंड एजुकेशन

शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा 09 से 13 सितम्बर 2013 तक "रिसर्च मेथड्स फॉर इंजीनियरिंग एंड एजुकेशन" विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रौद्योगिकी क्षेत्र से जुड़े शिक्षकों को अनुसंधान के सिद्धांतों एवं प्रक्रिया से अवगत कराना था। कार्यक्रम में अनुसंधान विषयों का चयन, प्रौद्योगिकी क्षेत्र से जुड़े अनुसंधान के विषय एवं प्रथाएं, वर्णनात्मक एवं अनुमानिक प्रदत्त विश्लेषण, उद्देश्य एवं अनुसंधानिक विवरण को लिखने की प्रक्रिया जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अजीत दीक्षित थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. किरण सक्सेना ने सहयोग दिया।

नए साफ्टवेयर "स्पियर्स" का अधिष्ठापन्न

शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा 27 सितंबर 2013 को भाषा प्रयोशाला में नए सॉफ्टवेयर "स्पियर्स" का अधिष्ठापन्न किया गया। साफ्टवेयर का मुख्य उद्देश्य विभाग की भाषा प्रयोगशाला को बहुउपयोगी बनाना है। इसमें कंपनी से आये इंजीनियर ने फाउन्डेशन इंग्लिश, बिल्डिंग ब्लॉक्स ऑफ इंग्लिश, फ्लूएंट इंग्लिश, वॉईस एंड एक्सेंट ट्रेनिंग, प्रोफेशनल इंग्लिश, वोकेब्लरी बिल्डर, क्रिप्टोग्राम आदि पर जानकारी देते हुए इसके उपयोग की विधि पर प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर डॉ. किरण सक्सेना विभाग के संकायगण एवं कर्मचारीगण के साथ अन्य विभाग से आये संकाय सदस्यों ने भी जानकारी प्राप्त की।

सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग द्वारा मृदा परीक्षण पर कार्यक्रम

सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 23 से 27 सितंबर 2013 तक "मृदा परीक्षण" पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों के शिक्षकों में मृदा परीक्षण का कौशल विकास करना था। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा सिविल इंजीनियरिंग के मुख्य प्रयोग किये गये तथा इन प्रयोगों में आने वाली कठिनाईयों को दूर किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान द्वारा तैयार की गयी वीडियो फिल्म को भी दिखाया गया, उसके बाद प्रतिभागियों ने सॉइल के विभिन्न टेस्ट किये। इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र एवं गुजरात के पॉलिटेक्निक एवं विश्वविद्यालयों के शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जे.पी. टेगर थे तथा संकाय सदस्य के रूप में डॉ. सुब्रत रॉय ने व्याख्यान दिये। कार्यक्रम के संचालन में प्रयोगशाला तकनीशियन श्री एम.एस.बालगंगाधर का विशेष सहयोग रहा।

सीडीटीपी स्कीम के अंतर्गत कार्यरत प्रशिक्षकों हेतु प्रशिक्षण

सीडीटीपी स्कीम के तहत् पश्चिमी क्षेत्र में कार्यरत् प्रशिक्षकों हेतु एनआईटीटीटीआर, भोपाल में 2 से 6 सितंबर 2013 तक एक ओरिएन्टेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 09 प्रशिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ए.के. जैन थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. अनिल कुमार ने व्याख्यान दिये।

कंस्ट्रक्शन मेनेजमेंट एंड कांट्रेक्ट प्रेक्टिसेस

एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा विस्तार केंद्र महाराष्ट्र में 23 से 27 सितंबर 2013 तक "कंस्ट्रक्शन मेनेजमेंट एंड कांट्रेक्ट प्रेक्टिसेस" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को इश्यूज् इन कंस्ट्रक्शन, टाईप्स ऑफ कांट्रेक्ट, कंस्ट्रेक्शन क्वालिटी, क्वालिटी आस्पेक्टस इन कंस्ट्रक्शन, क्वालिटी एश्योरेंस, कांट्रेक्ट प्राईजिंग, टीक्यूएम इन कंस्ट्रक्शन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिये गये। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. व्ही.एच. राधाकृष्णन थे एवं प्रो. व्ही.डी.पाटिल ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।

क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम एवं क्वालिटी टेक्नोलॉजी टूल्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम एवं क्वालिटी टेक्नोलॉजी टूल्स विषय पर 16 से 20 सितंबर 2013 तक एक कार्यक्रम विस्तार केंद्र पुणे में अयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के विभिन्न पॉलिटेक्निक के 11 शिक्षकों ने भाग लिया तथा क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम एवं क्वालिटी टूल्स की जानकारी प्राप्त की। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एम.सी.पालीवाल थे। क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के कमांडर सतीश चंदर ने विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया। इसके पूर्व भी इस विषय पर एक कार्यक्रम विस्तार केंद्र पुणे में आयोजित किया गया था जिसके समन्वयक प्रो. एम.सी.पालीवाल थे।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग की गतिविधियां

संस्थान के इलैक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग में विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों द्वारा वीडियो लेक्चर कार्यक्रमों की रिकार्डिंग जारी है। सितंबर एवं अक्टूबर माह में पच्चीस कार्यक्रम रिकार्ड किये गये।

संस्थान के विभिन्न संकाय सदस्यों द्वारा तकनीकी विषयों पर व्याख्यान रिकार्ड करवाये गये जिनमें वैब इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रीकल मशीन्स, ट्रांसडयूसर्स, डिजिटल इमेजेस इत्यादि प्रमुख हैं। इन कार्यक्रमों के एडिटिंग हेतु अतिरिक्त सुविधाएं निर्मित की गई हैं।

साफ्टवेयर एडिटिंग माह में विभाग द्वारा ई–कन्टेन्ट निर्माण हेतु दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इनमें डॉ. प्रभाकर सिंह समन्वयक थे। प्रो. जी.टी. लाला, श्री राजीव गोहिल एवं प्रो.सी.के. चुघ ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया। गुजरात, महाराष्ट्र से आए सात शिक्षकों ने इस विधा में प्रशिक्षण लिया। 23 सितंबर से 4 अक्टूबर तक पुणे विस्तार केन्द्र में इंडस्ट्री आधारित वीडियो निर्माण, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

माई–पॉवर विषय पर प्रशिक्षण

संस्थान के इलैक्ट्रीकल एवं इलैक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 16 से 20 सितम्बर 2013 तक "माई–पॉवर" विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान "माई–पॉवर" साफ्टवेयर का उपयोग करते हुए पॉवर सिस्टम के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करना सिखाया गया। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश, गुजरात इंजीनियरिंग महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया था। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. ए एस वाल्के थे।

प्रो. एस.एस. केदार को पीएच.डी. उपाधि

संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के सह प्राध्यापक प्रो. एस.एस. केदार को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा पीएच. डी. की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने अपना शोध कार्य प्रो. अनिल कुमार के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

लाईनेक्स सर्वर एडमिनिस्ट्रेशन पर कार्यक्रम

संस्थान के विस्तार केन्द्र पुणे में 07–11 अक्टूबर 2013 तक "लाईनेक्स सर्वर एडमिनिस्ट्रेशन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को लाईनेक्स सर्वर से संबधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया एवं विभिन्न सर्वर की स्थापना की विधियां भी समझायी गई। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. संजय अग्रवाल थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. एम.ए. रिजवी ने सहयोग दिया।

प्रो. अमिताभ घोष ने किया प्रयोगशाला एवं नव-निर्मित भवन का लोकार्पण

17 सितम्बर 2013 को संस्थान के अध्यक्ष, संचालक मण्डल प्रो. अमिताभ घोष ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की नई सीएनसी प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल, राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी

विश्वविद्यायलय के कुलपति, डॉ. पीयूष त्रिवेदी, विभागाध्यक्ष प्रो. शरद प्रधान, डॉ. के.के. जैन, डॉ. ए.के. सराठे, डॉ. आर.पी. खम्बायत, डॉ. संजय अग्रवाल एवं संस्थान के समस्त अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्रगण उपस्थित थे। सीएनसी प्रयोगशाला में उपलब्ध दो विश्व स्तरीय सीएनसी टर्न 250 व

सीएनसी मिल 250 मशीनों के माध्यम से प्रशिक्षणार्थीयों को अत्याधुनिक प्रकार से प्रशिक्षित किया जावेगा। ये मशीनें विभाग में चल रहे एम.टैक के विद्यार्थियों को सीएनसी टेक्नॉलाजी व मन्यूफेक्चरिंग के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता उत्पादन हेतु प्रशिक्षण देने में अति उपयोगी हैं। इन मशीनों की मल्टी कन्ट्रोलर सुविधा इन्हें विशेष स्तर प्रदान करती है। इस प्रकार की आधुनिक सुविधा अभी तक केवल आईआईटी संस्थानों में ही उपलब्ध थी। जर्मनी की इस मशीन का लाभ अब शहर व प्रदेश के तकनीकी शिक्षक व विद्यार्थी एनआईटीटीटीआर भोपाल से भी ले पाऐंगे ।

हबीब तनवीर मुक्तांगन का लोकार्पण

संस्थान में नवनिर्मित मुक्ताकाश का उद्घाटन प्रो. अमिताभ घोष, अध्यक्ष संचालक मंडल ने किया। इस सभागार में नाटकों एवं नृत्य कार्यक्रमों को कलात्मक ढंग से प्रस्तुत करने हेतु विशेष सुविधाएं हैं। मुक्तांगन में अत्याधुनिक लाईट कन्ट्रोल एवं रिकार्डिंग की सुविधा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के सहयोग से बनाई गई है। संस्थान में निर्मित इस मुक्तांगन का प्रयोग संस्थान के प्रशिक्षणार्थी एवं विद्यार्थियों सहित शहर के कलाकारों को भी मिलेगा। प्रो. घोष ने संस्थान के नवनिर्मित प्रवेश द्वार, स्टूडेंट कॉमन रूम, लाइब्रेरी के विस्तार कक्ष का भी लोकार्पण किया। संस्थान में नवीन भवन के निर्माण एवं साज सज्जा में प्रो. जे.पी. टेगर एवं श्री राजेश दीक्षित ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सोलिड मॉडलिंग यूजिंग प्रो-ई

संस्थान के मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 02 से 06 सितम्बर 2013 तक "सोलिड मॉडलिंग यूजिंग प्रो-ई" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को सोलिड मॉडलिंग, ऐसेम्बली व ड्राफ्टिंग मॉड्यूल्स पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रशिक्षणार्थीयों ने उक्त सभी मॉड्यूल्स का उपयोग कर एक प्रोजेक्ट पूर्ण किया। कार्यक्रम को प्रशिक्षणार्थियों द्वारा सराहा गया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. शरद प्रधान थे।

मैकाट्रॉनिक्स एण्ड ऑटोमेशन

मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 23 से 27 सितम्बर 2013 तक "मैकाट्रॉनिक्स एण्ड ऑटोमेशन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों से न्यूमेटिक सर्किट डिजाइन बनवाकर सिम्यूलेशन करवाया गया। प्रशिक्षणार्थियों को मेसर्स आयसर मोटर्स, मंडीदीप का भ्रमण करवाया गया। भ्रमण के दौरान ऑटोमेशन व मैकाट्रॉनिक्स विषय पर जानकारी प्राप्त की गई। कार्यक्रम में दस प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. वंदना सोमकुंवर थीं।

डैव्लेपमेंट ऑफ इण्डस्ट्रीज वीडियो

विस्तार केन्द्र पुणे में 23 सितम्बर से 04 अक्टूबर 2013 तक "डैव्लेपमेंट ऑफ इण्डस्ट्रीज वीडियो" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वीडियो प्रोडक्शन की विधि विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को औद्योगिक संस्थानों जैसे वेस्टर्न इंडिया फॉरजिंग्स पुणे तथा श्रीनिवास इंजीनियरिंग ऑटो कम्पोनेंट प्रायवेट लिमिटेड तालेगांव, पुणे का भ्रमण कराया गया। प्रतिभागियों ने औद्योगिक संस्थानों के छायाचित्र लेकर वीडियो बनाये। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सी.के. चुघ थे।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य पर कार्यशाला

विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 30 सितम्बर से 04 अक्टूबर 2013 तक एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रशिक्षणार्थियों को एनबीए गाइड लाइन, विजन मिशन स्टेटमेन्ट तथा इंजीनियरिंग महाविद्यालय के शिक्षकों को डोमेन्स ऑफ लर्निंग एवं इन्सट्रक्शनल ऑब्जेक्टिव लिखने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. के.के.जैन थे। संकाय सदस्य के रुप में प्रो. सी.के. चुघ ने सहयोग प्रदान किया।

लैब व्यू फॉर इलैक्ट्रीकल एण्ड इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग

संस्थान के इलैक्ट्रीकल एवं इलैक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 02 से 06 सितम्बर 2013 तक "लैब व्यू फॉर इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग" विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। लैब व्यू सॉफ्टवेयर औद्योगिक व अनुसंधान कार्यों में उपयोग में लाया जाता है। अतः इसके प्रशिक्षण से तकनीकी शिक्षक व विद्यार्थी दोनों ही लाभान्वित हुए। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र इंजीनियरिंग महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. डॉ. अंजली पोटनिस थीं और संकाय सदस्य के रूप में प्रो. सूसन एस मैथ्यू ने योगदान दिया।

एडवांस कम्प्यूटर नालेज फार फेक्ल्टी एण्ड स्टाफ

एनआईटीटीआर, भोपाल के विस्तार केन्द्र गोवा में 23–27 सितंबर 2013 तक एडवांस कम्प्यूटर नॉलेज फार फेकल्टी एण्ड स्टाफ विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों को कम्प्यूटर से संबंधित जानकारी प्रदान करना था। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. डी.एस. करौलिया थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. आर.के. कपूर ने सहयोग प्रदान किया। सर्तकता विभाग के निदेशक श्री अमरसेन राणे ने प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित किये।

साइबर सिक्युरिटी विषय पर कार्यक्रम

एनआईटीटीआर, भोपाल के विस्तार केन्द्र गोवा में 07 से 11 अक्टूबर 2013 तक "साइबर सिक्युरिटी" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन कर्नल के. शंकर द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को साइबर क्राइम एवं साइबर सिक्युरिटी से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में 27 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। समापन समारोह में श्री संदीप देसाई ने प्रमाणपत्र वितरित किये। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. एलन संजय रोचा थे।

संस्थान में महिला प्रकोष्ठ का गठन

संबोधित करते प्रो. विजय अग्रवाल

एनआईटीटीटीआर, भोपाल में 29 अगस्त 2013 को महिला कर्मचारियों के उत्थान हेतु महिला प्रकोष्ठ का गठन किया गया। इस प्रकोष्ठ के गठन का मुख्य उददेश्य महिला कर्मचारियों से संबंधित समस्याओं से निपटना, उनका मार्गदर्शन करना एवं उन्हें प्राप्त अधिकारों के प्रति सजग करना था। प्रकोष्ठ से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी समय–समय पर वैब साइट्स द्वारा सभी महिला कर्मचारियों को प्रेषित की जायेगी।

महिला प्रकोष्ठ की द्वितीय बैठक 3 अक्टूबर 2013 को संपन्न हुई। कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ. अंजना तिवारी, सचिव, महिला प्रकोष्ठ ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं उसकी रूपरेखा से अवगत कराया। निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में महिला कर्मचारियों को महिला शक्ति से सम्बोधित किया। उन्होंने मुख्य रूप से महिलाओं को नज़रअंदाज़ कर देने वाली आदत पर सख्त ऐतराज़ जताते हुए कहा कि अगर महिलाएं अपने प्रति हुए किसी भी शोषण, अन्याय या अत्याचार को नज़रअंदाज करती रहेंगी तो उन्हें बेहतर स्थिति में लाना मुश्किल है। अतः महिलाओं को अपनी समस्या को अनदेखा न करते हुए दबंगता से उसका सामना और कड़ा विरोध करना चाहिए। उन्होंने बताया कि महिलाओं की सुविधा हेतु संस्थान में एक पृथक कक्ष की व्यवस्था की गयी है। संस्थान के मनोवैज्ञानिक सलाहकार श्री गौरव श्रीवास्तव, ने महिलाओं को "कैसे बेहतर जीवन जियें" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि महिलायें सदा दूसरों के लिए ही जीती हैं, किन्तु बहुत जरूरी है कि वे कुछ समय अपने लिए निकालें और खुद के लिए जियें। क्योंकि अगर वे शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगी तभी उनका परिवार स्वस्थ रहेगा। इसके लिए उन्होंने महिलाओं को कुछ सुझाव दिए। कार्यक्रम के अंत में प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. श्रीमती किरण सक्सेना ने माननीय निदेशक महोदय एवं श्री गौरव श्रीवास्तव को धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजभाषा माह में सम्पन्न हुए कई कार्यक्रम

एनआईटीटीटीआर भोपाल में माह सितंबर में संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं संस्थान परिवार के बच्चों के लिये विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में यात्रा संस्मरण, स्लोगन, लेखन, कविता, पुनर्लेखन, वाद–विवाद प्रतियोगिता आदि आयोजित की गईं। शब्दार्थ लेखन में प्रथम पुरस्कार कु. मनाली अग्रवाल, द्वितीय पुरस्कार कु. कृतिका पालीवाल, तृतीय पुरस्कार कु. खुशी गुप्ता एवं सांत्वना पुरस्कार कु. प्रेरणा पावड़े को दिया गया। मुहावरा प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार कु. कृतिका पालीवाल, द्वितीय पुरस्कार कु. मनाली अग्रवाल, तृतीय पुरस्कार कु. खुशी गुप्ता एवं सांत्वना पुरस्कार कु. श्वेता मिश्रा को दिया गया। प्रेरक प्रसंग में प्रथम पुरस्कार कु. मनाली अग्रवाल, द्वितीय पुरस्कार कु. खुशी गुप्ता, तृतीय पुरस्कार कृतिका पालीवाल एवं सांत्वना पुरस्कार कु. प्रेरणा पावड़े को दिया गया। वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार श्री कुणाल जैन, द्वितीय पुरस्कार श्री अक्षय शर्मा, तृतीय पुरस्कार श्री अमृत पाल एवं सांत्वना पुरस्कार श्री जय गोविन्द को दिया गया। तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार श्री अमृत पाल, द्वितीय पुरस्कार श्री जय गोविन्द, तृतीय पुरस्कार श्री कुणाल जैन एवं सांत्वना पुरस्कार श्री अक्षय शर्मा को दिया गया। संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिये आयोजित यात्रा संस्मरण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार डॉ. लता अग्रवाल, द्वितीय पुरस्कार श्रीमती नीतू अग्रवाल, तृतीय पुरस्कार डॉ. अंजना तिवारी एवं सांत्वना पुरस्कार श्रीमती कविता धोटे को दिया गया। कविता एवं स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार श्रीमती नम्रता सरन, द्वितीय पुरस्कार डॉ. लता अग्रवाल एवं डॉ. अंजना तिवारी, तृतीय पुरस्कार श्रीमती नीतू अग्रवाल व कुणाल वासनिक एवं सांत्वना पुरस्कार श्रीमती रचना गुप्ता को प्राप्त हुआ। सुलेख प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार श्री गोविन्द साहू, द्वितीय पुरस्कार श्री ज्ञानेश्वर बोरकर, तृतीय पुरस्कार श्रीमती निशा शर्मा एवं सांत्वना पुरस्कार श्री शिवराम बागरी को दिया गया। संस्थान में प्रश्न मंच कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। प्रो. व्ही.एच. राधाकृष्णन द्वारा प्रश्न मंच का संचालन किया गया। संस्थान के निदेश प्रो. विजय अग्रवाल ने सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। हिन्दी प्रतियोगिताओं के आयोजन में डॉ. किरण सक्सेना, डॉ. के.एम. रस्तोगी, श्रीमती सविता अस्थाना, श्री एस.एस. अस्थाना एवं प्रो. एस.के. सक्सेना ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विजेताओं को पुरस्कृत करते प्रो. विजय अग्रवाल

नागालैण्ड पॉलिटेक्निक शिक्षकों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम

एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा नागालैण्ड के पॉलिटेक्निक शिक्षकों के लिये कोहिमा में इंडक्शन फेस–1 कार्यक्रम का आयोजन 30 सितंबर से 11 अक्टूबर 2013 तक किया गया। इस कार्यक्रम में नागालैण्ड के विभिन्न पॉलिटेक्निक के कुल 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में नागालैण्ड के उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के निदेशक भी उपस्थित हुए। उन्होंने एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा तकनीकी शिक्षा में नागालैण्ड को दिये गये योगदान की सराहना की। एनआईटीटीटीआर, भोपाल ने विश्व बैंक पोषित परियोजना में नागालैण्ड के लिये शैक्षणिक सलाहकार के रूप में योगदान दिया है। इसके तहत् अनेक नये पाठ्यक्रम विकसित किये गये तथा कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस इंडक्शन कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट थे एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. एम.सी. पालीवाल, प्रो. ए.एस. वाल्के एवं प्रो. अभिलाष ठाकुर ने योगदान दिया। नागालैण्ड के तकनीकी शिक्षा विभाग ने इंडक्शन कार्यक्रम की सराहना की तथा भविष्य में

भी नागालैण्ड में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन में एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया।

इफेक्टिव ऑफिस मैनेजमेंट विषय पर कार्यक्रम एनआईटी हमीरपुर में आयोजित

संस्थान द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर में 23 से 27 सितंबर 2013 तक टेक्यूप योजना के अंतर्गत "इफेक्टिव ऑफिस मैनेजमेन्ट" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 30 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने हमीरपुर में इस प्रकार के अन्य कार्यक्रम आयोजित करने की मांग की। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. एम.ए. रिजवी थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. निशिथ दुबे ने योगदान दिया।

वैब बेस्ड कोर्सवेयर डेव्लेपमेंट

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग ने 02 से 06 सितम्बर 2013 तक "वैब बेस्ड कोर्सवेयर डेव्लेपमेंट" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक / इंजीनियरिंग एवं सेना के प्रशिक्षणाथियों ने भाग लिया था। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. डॉ. डी. एस. करौलिया थे।

सर्तकता दिवस संपन्न

एनआईटीटीटीआर, भोपाल में दिनांक 28 अक्टूबर 2013 को सर्तकता सप्ताह के अंतर्गत सर्तकता शपथ दिलाई गई। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रो. अग्रवाल ने कहा कि हमें अपने कार्यों में ईमानदारी एवं पारदर्शिता बरतनी चाहिये। हम सभी शासकीय नियमों में बंधे हुए हैं अतः हम सभी को इन नियमों का ज्ञान होना चाहिये। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. आर.पी.खम्बायत थे।

सेवा काल में आचार संहिता पर कार्यक्रम

संस्थान द्वारा 11–12 सितम्बर 2013 को "सेवाकाल में आचार संहिता का महत्व" विषय पर दो द्विवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. विजय अग्रवाल, निदेशक एवं अध्यक्ष नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भोपाल द्वारा किया गया। प्रो. अग्रवाल ने सेवाकाल में आचार संहिता का महत्व विषय पर प्रकाश डालते हुए सभी प्रतिभागियों को संतुलित व्यवहार करने तथा अच्छा आचरण करने का आवाहन किया तथा अपने कर्तव्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए सलाह दी। उक्त कार्यक्रम में प्रो. बी.एल. गुप्ता, प्रो. आर.के. दीक्षित एवं श्री एस.एस. अस्थाना विशेषरूप से उपस्थित थे। प्रो. बी.एल. गुप्ता प्राध्यापक, श्री अशोक शर्मा, सेवा निवृत, उपनिदेशक, आयकर विभाग एवं श्री हरीश वैद्य, उप कुलसचिव, एम.ए.एन.आई.टी., भोपाल ने विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 61वीं बैठक संपन्न

दिनांक 10 सितंबर 2013 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न हुई। संस्थान द्वारा राजभाषा हिन्दी के उन्नयन हेतु किये जा रहे कार्यो एवं भावी योजनाओं, तिमाही रिपोर्ट ऑनलाइन भेजने के संबंध में विचार विमर्श एवं वार्षिक कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने अध्यक्ष संचालक मण्डल प्रो. अमिताभ घोष की ओर से संपर्क सरिता टीम को दी गई बधाई प्रेषित की। इस बैठक में प्रो. डी.एस. करौलिया, प्रो. के.के. जैन, प्रो. किरण सक्सेना, प्रो. पी.के. पुरोहित, प्रो. प्रभाकर सिंह, प्रो. शैलेन्द्र सिंह, प्रो. के.के. पाठक, प्रो. अस्मिता खजांची, श्री डी.के. तिवारी, श्री एस.एस. अस्थाना सहित राजभाषा समिति के सदस्य उपस्थित थे।

बधाई / सम्मान

डॉ. रोली प्रधान ने प्रबंधन विभाग में सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

डॉ. संजीत कुमार ने शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग में सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

डॉ. हुसैन जीवाखान ने अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग में सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

प्रो. सुब्रत राय इंटरनेशनल कांफ्रेस में

संस्थान के सिविल एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुब्रत रॉय ने 24 से 25 अक्टूबर 2013 को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल, हैदराबाद एवं कंफेड्रेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज द्वारा संयुक्त रूप से चेन्नई में आयोजित "इंटरनेशनल कांफ्रेंस एंड एक्जीबिशन ऑन ग्रीन बिल्डिंग्स" में भाग लिया।

जया नर्गिस को हिन्दी सेवी सम्मान

मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति का प्रतिष्ठित अलंकरण इस वर्ष एनआईटीटीटीआर, भोपाल में कार्यरत सुप्रसिद्ध गज़लकार, कथाकार एवं संगीतज्ञ जया नर्गिस को प्रदान किया गया। मलयालम भाषी जया नर्गिस को यह अलंकरण महामहिम राज्यपाल म.प्र. शासन श्री रामनरेश यादव द्वारा एक भव्य समारोह में 02 अक्टूबर 2013 को भोपाल में प्रदान किया गया। जया नर्गिस की एक दर्ज़न पुस्तकें कविता, गज़ल, कहानी, बाल साहित्य, स्त्री संबंधित विषयों पर प्रकशित हो चुकी हैं। शीघ्र ही उनका उपन्यास भी प्रकाशित हो रहा है। आप देशभर की विभिन्न साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित हो चुकी हैं। स्कूली पाठ्यक्रमों में भी आपकी रचनाएं सम्मिलित हैं। आपकी रचनाओं पर शोध कार्य भी हुआ है। आकाशवाणी, दूरदर्शन सहित देश की प्रतिष्ठित पत्र–पत्रिकाओं में आप विगत 30 वर्षों से निरंतर छप रही हैं। मथुरा विद्यापीठ द्वारा साहित्य सरस्वती एवं लघुकथा मनीषी

की मानद उपलब्धियों से विभूषित जया नर्गिस वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया डिपार्टमेंट में म्यूजिक प्रोफेशनल के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। साथ ही वे संस्थान में निर्मित फिल्मों के लिए संगीत भी दे रही हैं।

आगामी महीनों में प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम/ PROGRAMMES FOR POLYTECHNICS/ENGINEERING COLLEGES

No.	TITLE	DURATION	VENUE
1	Writing Research Papers	06-10 Jan 14	Bhopal
2	Elements of Carbon Finance	06-10 Jan 14	Bhopal
3	Bio-Statistical Applications in Pharmacy	06-10 Jan 14	Bhopal
4	Personality Development Though Positive Thinking	06-10 Jan 14	Nasik
5	Academic Audit for Effective Curriculum Implementation	06-10 Jan 14	Pune
6	Enhancing Competency in Computer Literacy (For Faculty and Supporting Staff)	06-10 Jan 14	Ambikapur
7	E-Content Development Workshop for Computer/ IT Engineering	06-17 Jan 14	Bhopal
8	Video Production for Mechanical / Automobile Engineering	06-17 Jan 14	Bhopal
9	Induction Phase-I	06-17 Jan 14	Bhopal
10	Auto CAD Basic and Advance	06-17 Jan 14	Goa
11	Institutional Preparation for Accreditation	13-17 Jan 14	Ahmedabad
12	Industry Institute Interaction for Effective Curriculum Implementation	13-17 Jan 14	Bhopal
13	Advance in Power Systems (Flexi, AC systems & Smart Grid)	13-17 Jan 14	Bhopal
14	Climate Change, Scenario Development for Policy Analysis	20-31 Jan 14	Bhopal
15	Open Source Solutions	20-31 Jan 14	Bhopal
16	Learning on Wind Energy	20-31 Jan 14	Bhopal
17	Induction Phase-I	06-17 Jan 14	Nagpur
18	Induction Phase-I	20-31 Jan 14	Ahmedabad
19	Personality Development Though Positive Thinking	20-24 Jan 14	Pune
20	Planning and Managing Laboratory (For Faculty and Supporting Staff)	20-24 Jan 14	Pune
21	Work Ethics, Motivational Climate and Attitude Development	20-24 Jan 14	Aurangabad
22	NBA Accreditation-Mapping of PEOs, POs, & COs	20-24 Jan 14	Nasik
23	Work Ethics, Motivational Climate and Attitude Development	20-24 Jan 14	Pune
24	Setting Good Question Papers and Assessing Students Performance	27-31 Jan 14	Goa
25	Transforming Technical Education for Excellence	27 Jan-07 Feb, 14	Bhopal
26	Preparing Institute for Accreditation	03-07 Feb 14	Bhopal
27	Marketing of Educational Services	03-07 Feb 14	Bhopal
28	Analog and Digital Circuit Design & Testing using MULTISIM	03-07 Feb 14	Bhopal
29	Nano-technology its Applications	03-07 Feb 14	Pune
30	Purchase and Stores Management	03-07 Feb 14	Bhopal
31	Academic & Research Paper Writing	03-07 Feb 14	Ahmedabad
32	Open Source Solution	03-07 Feb 14	Goa
33	Enhancing Communication Skill Using Language Laboratory	03-14 Feb 14	Bhopal
34	Establishment and Promotion of Small and Medium Scale Enterprise Through Entrepreneurship	03- 14 Feb 14	Bhopal
35	Induction Phase-I	03-14 Feb 14	Durg
36	Induction Phase-II	03-14 Feb 14	Ahmedabad
37	Photography & Graphics Designing	03-14 Feb 14	Bhopal
38	ASP. NET with VB. NET	03-14 Feb 14	Bhopal
39	Computer Aided Drug Design and Molecular Modelling	10-14 Feb 14	Bhopal
40	Economics of Science and Technology Research	10-14 Feb 14	Bhopal
41	Quality Management by TQM, Six Sigma, Kaizen, 5S and 4P	10-14 Feb 14	Bhopal
42	PC Maintenance and Trouble Shooting	10-21 Feb 14	Bhopal
43	Developing Employable Personality	17-21 Feb 14	Bhopal
44	Developing Workshop Related Skills	17-21 Feb 14	Aurangabad
45	Special Methods of Teaching Pharmacy Regulatory Aspects (For in-house Pharmacy College)	17-21 Feb 14	Goa
46	Industrial Training for Newly Recruited Teachers	17-28 Feb 14	Bhopal
47	Developing Teaching Learning Resources Using Digital Media	17-28 Feb 14	Bhopal
48	Research Paper Writing Programmes for Supporting Staff	24-28 Feb 14	Pune
49	Managing Stress and People at Work to Enhance Office Efficiency	24-28 Feb 14	Pune
50	Intellectual Property Rights	03-07 March 14	Goa
51	Designing and Implementing Programs through Distance Mode	03-07 March 14	Bhopal
52	Solar Energy and its Applications Basic Multi Media Development for Technical Teachers (Photoshop & Coral Draw)	03-07 March 14	Bhopal Ahmedabad
53	Java Programming	03-14 March 14	Bhopal
54	Planning, Organizing, Implementing and Evaluating Projects	03-14 March 14	Bhopal
55	Environmental Pollution Analysis and Treatment	03-14 March 14	Bhopal
56	Planning, Organizing, Implementing and Evaluating Projects	03-14 March 14	Bhopal
57	Basic and Advance Multi Media Development for Technical Teachers	03-14 March 14	Ahmedabad
58	Environmental Conservation and Hazard Management	10-14 March 14	Bhopal
59	Advance Multi Media Development for Technical Teachers (2D Animation)	10-14 March 14	Ahmedabad
60	Induction Phase-II	10-21 March 14	Bhopal
61	Induction Phase-II	10-21 March 14	Pune
62	Induction Phase-II	10-21 March 14	Jagdalpur
63	Designing of Low Cost Lab Experiments of Physics and Chemistry	17-21 March 14	Bhopal
64	Building up a Student Friendly Institute	17-21 March 14	Goa
65	Numerical Methods and its Applications in Engineering and Science	17-21 March 14	Pune
66	Bio-Diesel	24-28 March 14	Bhopal
67	Developing Entrepreneurial Skills Among Students	24-28 March 14	Bhopal
68	MATLAB Programming for Electronics Application	24-28 March 14	Bhopal
69	Software Applications in Pharmacy	24-28 March 14	Pune

मुख्य संरक्षक : प्रो. अमिताभ घोष, संरक्षक : प्रो. विजय अग्रवाल, निदेशक, संपादक : प्रो. पी.के. पुरोहित
सहसंपादक : श्री एस.एस. अस्थाना, छायांकन : श्री रितेन्द्र पवार

आन्तरिक वितरण हेतु तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित